शांति! हमारे प्रभु यीशु मसीह का महान नाम हमेशा धन्य रहे। आज हम इकट्ठा हुए हैं ताकि ईश्वर के वचन का अध्ययन करें और एक महत्वपूर्ण सत्य पर चिंतन करें: हर विश्वासवादी के लिए पुनर्जन्म होना और पवित्र आत्मा का उपहार प्राप्त करना अत्यंत आवश्यक है। पवित्र आत्मा का कार्य हमें पवित्र बनाना है, जैसे हमारा स्वर्गीय पिता पवित्र है:

“क्योंकि लिखा है, ‘तुम पवित्र हो, क्योंकि मैं पवित्र हूँ’”
(1 पतरस 1:16, ESV)

पवित्र आत्मा हमारे भीतर कार्य करता है ताकि दूसरों को मसीह की ओर आकर्षित किया जा सके और प्रत्येक को अनोखे उपहार और बुलाहट दी जा सके (1 कुरिन्थियों 12:4–7)। ये उपहार यादृच्छिक नहीं हैं — इन्हें ईश्वर ने उद्देश्यपूर्ण रूप से तैयार किया है ताकि वह अपने उद्देश्य को प्रकट करें और प्रत्येक विश्वासवादी को अलग पहचान दें।

जब पवित्र आत्मा किसी व्यक्ति पर आता है, तो वह विशेष उपहार या कृपा की अभिव्यक्ति देता है। किसी दो व्यक्ति के उपहार बिल्कुल समान नहीं होते। जबकि कुछ की सेवाएँ या बुलाहटें समान हो सकती हैं, आत्मा का वितरण प्रत्येक व्यक्ति के लिए अद्वितीय और

उद्देश्यपूर्ण होता है, ताकि वह ईश्वर की योजना में सही भूमिका निभा सके।

1 कुरिन्थियों 12:4–7 (NIV)
“अलग-अलग प्रकार के उपहार हैं, पर वही आत्मा उन्हें वितरित करता है। अलग-अलग प्रकार की सेवाएँ हैं, पर वही प्रभु उन्हें नियंत्रित करता है। अलग-अलग प्रकार का कार्य है, पर सभी में
और सभी के भीतर वही ईश्वर कार्य कर रहा है। अब प्रत्येक को आत्मा की अभिव्यक्ति दी गई है, ताकि सबके भले के लिए काम
आए।”

यह पद दिखाता है कि पवित्र आत्मा प्रत्येक विश्वासवादी को सामूहिक भले के लिए सुसज्जित करता है, यह ध्यान दिलाता है कि ईश्वर के उपहार आत्ममहिमा या तुलना के लिए नहीं हैं।

ईश्वर की बुलाहट की अनोखी प्रकृति को समझने के लिए, हम तीन महान भविष्यद्वक्ताओं पर ध्यान दें: मोशे, दानियल और यशायाह।

मोशे: कानून और नेतृत्व के भविष्यद्वक्ता

मोशे ने भविष्य नहीं देखा कि अंत समय कैसे होंगे। उनकी बुलाहट इस्राएल का नेतृत्व करना, ईश्वर का कानून प्रकट करना और

पुरोहितों की व्यवस्था स्थापित करना था। उन्हें ईश्वर के लोगों को दासता से मुक्त करने और वादा की भूमि में ले जाने के लिए अभिषिक्त किया गया।

“अब तू जा, और मैं तेरे मुंह के साथ रहूँगा और तुझे सिखाऊँगा
कि क्या कहना है।” (निर्गमन 4:12, ESV)

मोशे का उपहार प्रशासन, नेतृत्व और ईश्वर के कानून का प्रकट होना था। उन्होंने ईश्वर के साथ मुखातिब होकर संवाद किया, लेकिन उनकी सेवा का ध्यान ईश्वर के लोगों के वर्तमान और भूतकालीन उत्तरदायित्वों पर केंद्रित था।

दानियल का भविष्यवाणी कार्य मोशे से अलग था। उन्होंने ईश्वर के साथ सीधे नहीं चलकर देखा, परंतु ईश्वर ने उन्हें अंत समय के दर्शन दिखाए: राज्यों का उदय, प्रतिवादी का आगमन, और ईश्वर के राज्य की अंतिम स्थापना।

“परंतु तू, दानियल, वचन को बंद कर और पुस्तक को अंत समय तक
सील कर; कई लोग भाग-दौड़ करेंगे, और ज्ञान बढ़ेगा।” (दानियल 12:4, ESV)

स्वयं बनो: अपने ईश्वर-प्रदत्त उपहार को अपनाना

दानियल का उपहार दर्शन और उनका व्याख्यान करने की क्षमता को दर्शाता है, यह दिखाता है कि कुछ लोग ईश्वर की योजना को तत्काल से परे देखने के लिए विशेष रूप से सुसज्जित हैं।

यशायाह की सेवा तीसरे अनोखे उपहार को प्रकट करती है। ईश्वर ने उन्हें मसीह के आगमन, जन्म और बलिदानी मृत्यु के दर्शन दिए, और उन्होंने मानवता के उद्धार की भविष्यवाणी की।

“इसलिए प्रभु स्वयं तुम्हें एक संकेत देगा। देखो, कन्या गर्भधारण करेगी और एक पुत्र को जन्म देगी, और उसका नाम इमैनुएल रखा जाएगा।” (यशायाह 7:14, ESV)

यशायाह का उपहार दर्शाता है कि कुछ लोगों को ईश्वर की उद्धार योजना की पूर्वदर्शिता और घोषणा करने के लिए विशेष रूप से सुसज्जित किया गया है, जो पुराने और नए नियमों के बीच सेतु का काम करता है।

मनुष्य स्वाभाविक रूप से दूसरों से तुलना करता है, लेकिन शास्त्र हमें चेतावनी देता है:

“क्योंकि हम ईश्वर का निर्माण हैं, मसीह यीशु में बनाए गए अच्छे कार्यों के लिए, जिन्हें ईश्वर ने पहले से तैयार किया है।” (इफिसियों 2:10, NIV)

किसी और की तरह बनने की इच्छा आपके भीतर आत्मा को बुझाने का निश्चित तरीका है। यहां तक कि समान जुड़वाँ बच्चे भी गहराई से देखें तो भिन्न होते हैं। ईश्वर ने प्रत्येक विश्वासवादी को अद्वितीय उपहार और बुलाहट दी है, जो उनके दिव्य उद्देश्य के अनुरूप है।

पवित्र आत्मा का उपहार वितरण स्पष्ट उद्देश्य के लिए होता है: दूसरों को मसीह की ओर आकर्षित करना और मसीह के शरीर का निर्माण करना। अपने अनोखे उपहार को अपनाना ईश्वर के प्रति आज्ञाकारिता और उसके राज्य के कार्य में भागीदारी है।

नेतृत्व उपहार (जैसे मोशे) ईश्वर के लोगों का मार्गदर्शन और संगठन करते हैं। प्रकाशन उपहार (जैसे दानियल) ईश्वर की योजनाओं को स्पष्ट करते हैं।
मसीही भविष्यवाणी उपहार (जैसे यशायाह) मानवता को मसीह के माध्यम से उद्धार की ओर इंगित करते हैं।

कोई भी उपहार बड़ा या छोटा नहीं है — प्रत्येक ईश्वर की योजना में आवश्यक है।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

“जैसा कि प्रत्येक ने उपहार प्राप्त किया है, उसका उपयोग एक-दूसरे की सेवा में करें, ईश्वर की विविध कृपा के अच्छे
प्रबंधक के रूप में।” (1 पतरस 4:10, ESV)

ईश्वर ने आपके भीतर जो रखा है, उसमें चलें। इसे पोषण दें, विकसित करें, और आत्मा को उसके गौरव के लिए उपयोग करने दें। दूसरों के उपहार को दबाएँ या ईर्ष्या न करें, बल्कि ईश्वर की आत्मा की विविधता का उत्सव मनाएँ।

ईश्वर ने प्रत्येक विश्वासवादी को अनोखी बुलाहट और विशिष्ट उपहार के साथ बनाया है। ये उपहार तुलना के लिए नहीं, बल्कि सेवा, विकास और दूसरों को मसीह की ओर आकर्षित करने के लिए हैं। अपने उपहार को पहचानना, अपनाना और उसका सही प्रबंधन करना आपके ईश्वर के राज्य में उद्देश्य को पूरा करने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

ईश्वर हम सभी की मदद करें कि हम उन उपहारों की पहचान करें, उन्हें विकसित करें और विश्वसनीयता के साथ उनका पालन करें ताकि हम अपने भीतर की आत्मा को न बुझाएँ। आमीन।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

स्वयं बनो: अपने ईश्वर-प्रदत्त उपहार को अपनाना

GROUP….

Share on:
WhatsApp